ये अव्यक्त इशारे

"निश्चय के फाउण्डेशन को मजबूत कर सदा निर्भय और निश्चिंत रहो"

19-03-2026

बाप में तो निश्चय है लेकिन अपने में भी निश्चय बुद्धि होकर कार्य करो तो फिर विजय ही विजय है। विजय के आगे समस्या कोई चीज़ नहीं है। फिर वह समस्या नहीं फील होगी, लेकिन खेल फी होगा। खेल खुशी से किया जाता है। कोई कार्य सहज होता है तो कहा जाता यह तो बायें हाथ का खेल है अर्थात् सहज है। तो यह भी बुद्धि का खेल हो जायेगा। खेल में घबरायेंगे नहीं।

Make your foundation of faith strong and remain constantly fearless and carefree.

You have faith in the Father, but also carry out every task while your intellect has faith in yourself and you will then experience victory and nothing but victory. In front of victory, problems are nothing. You will then not feel anything to be a problem but will feel everything to be a game and a game is played in happiness. When a task is easy, it is said: This is a game for the right hand, that is, it is easy. So, this will also be like a game for your intellect. You will not be afraid in a game.